छत्तीसगढ़ में बाघों की आबादी हुई दोगुनी

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ में बाघों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2022 में 17 से बढ़कर अप्रैल 2025 तक 35 हो गई, जो राज्य के सफल वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को दर्शाती है।

- इस वृद्धि को छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव कल्याण बोर्ड की 15वीं बैठक में रेखांकित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने की।

मुख्य बिंदु

- अचानकमार टाइगर रिज़र्व में बाघों की **सबसे अधिक आबादी (18)** है, इसके बाद गुरु घासीदास-तमोर पिंगला (GGTP) टाइगर रिज़र्व में 7, इंद्रावती टाइगर रिज़र्व में 6, भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य में 3 और **उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व** में 1 बाघ है।
  - GGTP को वर्ष 2024 में भारत का 56वाँ बाघ अभयारण्य घोषित किया गया है, जो अब आंध्र प्रदेश के नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व और असम के मानस टाइगर रिज़र्व के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा **टाइगर रिज़र्व** है।
- **स्थानांतरण योजना:**
  - छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) से मध्य प्रदेश से बाघों को उदंती-सीतानदी और **गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व** में स्थानांतरित करने की अनुमति मिल गई है।
    - उदंती-सीतानदी के लिये दो मादा और एक नर बाघ तथा गुरु घासीदास के लिये तीन नर बाघों सहित कुल पाँच बाघों को स्थानांतरित किया जाएगा।
- **बाघ संरक्षण योजना (TCP):**
  - राज्य ने एक **व्यापक बाघ संरक्षण योजना (TCP)** को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, जिसका उद्देश्य **आवास प्रबंधन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना** और **टाइगर रिज़र्व** में पर्यटन को बढ़ावा देना है।
  - यह योजना पर्यटकों की संख्या बढ़ाने और स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिये कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में सुविधाएँ बढ़ाने पर भी केंद्रित है।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- **CITES :** परिशिष्ट-I
- **WPA 1972 :** अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tiger-population-doubled-in-chhattisgarh